

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २०६]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून २, १९७०/ज्यैष्ठ १२, १८९२

No. 206]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 2, 1970/JYAISTHA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd June 1970

S.O. 2062/15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as Seksaria Cotton Mills Ltd., Bombay (Maharashtra), for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of—

Chairman

1. Shri S. R. Damani, M.P., 13, Jan Path, New Delhi.

Members

2. Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation, New Delhi.
3. Shri V. V. S. Sastry, Jt. Director (Finance), National Textile Corporation, New Delhi.
4. Shri S. D. Mehta, Authorised Controller, India United Mills, Bombay.
5. Shri S. C. Bafna, Registrar of Companies, Maharashtra, 100, Marine Drive, Bombay, and

6. Shri R. K. Rakshit, Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay.
—Member-Secretary.

[No. F. 9(10)Lic.Pol./70.]

R. C. SETHI, Under Secy.

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 जून 1970

का० प्र० 2062/15/आई० जी० आर० ए०/70.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि सेक्सेरिया काटन मिल्स लिमिटेड बम्बई (महाराष्ट्र) नामक औद्योगिक उपक्रम में निर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की सम्भावना है, जिसके लिये, विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई औचित्य नहीं है ;

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 का (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्वारा नियुक्ति करती है :

अध्यक्ष

1. श्री एस० आर० दामानी, संसद सदस्य,
13, जनपथ, नई दिल्ली ।

सदस्य

2. श्री एम० जी० मीरचंदानी, निदेशक (तकनीकी),
राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।
3. श्री बी०बी० एस० शास्त्री,
संयुक्त निदेशक, (वित्त),
राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।
4. श्री एस० डी० मेहता, प्राधिकृत नियंत्रक,
इन्डिया यूनाइटेड मिल्स, बम्बई ।
5. श्री एस० सी० बाफना, समवाय पंजीयक, महाराष्ट्र, 100, मैरिन ड्राइव, बम्बई और
6. श्री आर० के० रक्षित, निदेशक, वस्त्र आयुक्त बम्बई का कार्यालय—सदस्य सचिव ।

[सं० फा० 9 (10) लाइ० पो० लि०/70]

आर० सी० सेठी, अवर सचिव ।